पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (WBBSE)

कक्षा 9 हिंदी

अध्याय 14

वापसी

प्रश्न बैंक

birlaeducation.org

कक्षा 9 की कोई बोर्ड परीक्षा नहीं होती; यह प्रश्न बैंक पाठ्यपुस्तक और अध्याय के विषयों पर आधारित है

बिरला एजुकेशन

अध्याय 14: वापसी

लेखिका: उषा प्रियंवदा

अध्याय का सार

गजाधर बाबू पैंतीस वर्षों तक रेलवे में स्टेशन मास्टर की नौकरी करके रिटायर हो रहे थे। नौकरी के कारण वे अधिकतर छोटे स्टेशनों पर अकेले रहते थे, जबकि पत्नी और बच्चे शहर में रहते थे, ताकि बच्चों की पढ़ाई में बाधा न हो। उन्होंने शहर में एक बड़ा मकान बनवाया था और बड़े लड़के अमर की शादी कर चुके थे। रिटायर होकर वे परिवार के साथ सुख से रहने की कल्पना करके बहुत खुश थे। उनके नौकर गणेशी ने सारा सामान बाँध दिया और पत्नी ने बेसन के लड्डू रख दिए।

इतवार के दिन वे घर पहुँचे, तो पिता को देखते ही नरेंद्र चुप हो गया, बहू ने माथा ढक लिया और बसंती ने हँसी दबा ली। घर छोटा था, इसलिए उनकी चारपाई बैठक में लगा दी गई। धीरे धीरे उन्हें छोटी छोटी उपेक्षाएँ मिलने लगीं। खर्च कम करने की सलाह पर पत्नी नाराज़ होती थी, बहू के चौका खुला छोड़ने से बिल्ली ने दाल गिरा दी, बसंती ने बेस्वाद खाना बनाया और नरेंद्र अपनी खीज उन पर उतारने लगा। अमर अलग होने का सोचने लगा, क्योंकि उसके दोस्तों की महफिल नहीं जम पाती थी।

एक दिन उनकी चारपाई बैठक से हटाकर छोटी कोठरी में रख दी गई। उन्होंने घर के नौकर को काम से हटा दिया, तो नरेंद्र आग बबूला हो गया। गजाधर बाबू ने निश्चय कर लिया कि अब वे घर के किसी काम में दखल नहीं देंगे। अंत में उन्होंने रामजी मिल वालों की चीनी की मिल में नौकरी का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया, जिसे उन्होंने पहले परिवार के साथ रहने की कल्पना के कारण ठुकरा दिया था। पत्नी ने उनके साथ चलने से मना कर दिया। गजाधर बाबू रिक्शे पर बैठकर चले गए और परिवार के सब लोग प्रसन्न हुए।

biharieducation.org

समूह A: बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ), 12 प्रश्न

सही विकल्प को गहरे (बोल्ड) अक्षरों में दिखाया गया है।

1. उषा प्रियंवदा का जन्म कहाँ हुआ था? अतिरिक्त

(क) कानपुर
(ख) दिल्ली
(ग) लखनऊ
(घ) पटना

उत्तर: कानपुर। उषा प्रियंवदा का जन्म सन् 1930 में कानपुर में हुआ था।

---

2. 'वापसी' कहानी किस वर्ष प्रकाशित हुई थी? अतिरिक्त

(क) सन् 1950
(ख) सन् 1955

(ग) सन् 1960

(घ) सन् 1965

उत्तर: सन् 1960। यह उषा प्रियंवदा की सबसे चर्चित कहानियों में से एक है।

---

3. गजाधर बाबू ने शहर में क्या बनवाया था? अतिरिक्त

(क) छोटा मकान

(ख) बड़ा मकान

(ग) दुकान

(घ) होटल

उत्तर: बड़ा मकान। उन्होंने शहर में एक बड़ा मकान बनवाया था।

---

4. गजाधर बाबू के घर पहुँचने पर बच्चे क्या कर रहे थे? अतिरिक्त

(क) पढ़ रहे थे

(ख) खेल रहे थे

(ग) नाश्ता करके हँस रहे थे

(घ) सो रहे थे

उत्तर: नाश्ता करके हँस रहे थे। सब बच्चे इकट्ठे होकर नाश्ता कर रहे थे और हँस रहे थे।

---

birlaeducation.org

5. पिता को देखते ही नरेंद्र ने क्या किया? अतिरिक्त

(क) हँसने लगा

(ख) चुपचाप बैठ गया

(ग) बाहर चला गया

(घ) खाना खाने लगा

उत्तर: चुपचाप बैठ गया। पिता को देखते ही नरेंद्र चुपचाप बैठ गया।

---

6. गजाधर बाबू ने बसंती से चाय कहाँ पीने को माँगी? अतिरिक्त

(क) बैठक में

(ख) रसोई में

(ग) बाहर

(घ) कोठरी में

उत्तर: बाहर। उन्होंने बसंती से अपने लिए चाय बाहर ही पीने को माँगी।

---

7. गजाधर बाबू घर का क्या कम करने की सलाह देते थे? अतिरिक्त

(क) खर्च

(ख) खाना

(ग) पानी

(घ) बिजली

उत्तर: खर्च। वे घर का खर्च कम करने की सलाह देते थे, पर पत्नी को उनकी बात अच्छी नहीं लगती थी।

---

8. बसंती किसके घर जाने की मनाही पर गजाधर बाबू से रुष्ट हुई? अतिरिक्त

(क) शीला

(ख) राधा

(ग) गीता

(घ) मीरा

उत्तर: शीला। शीला के घर न जाने की मनाही पर बसंती गजाधर बाबू से रुष्ट हो गई।

---

9. 'रजामंदी' शब्द का अर्थ क्या है? अतिरिक्त

(क) नाराज़गी

(ख) सहमति

(ग) मना करना

(घ) देरी

उत्तर: सहमति। गजाधर बाबू ने चीनी की मिल की नौकरी के लिए रजामंदी भेज दी थी।

---

10. गजाधर बाबू के जाते समय उनका बिस्तर और असबाब किस पर लादा गया? अतिरिक्त

birlaeducation.org

(क) बैलगाड़ी

(ख) रिक्शा

(ग) ट्रक

(घ) साइकिल

उत्तर: रिक्शा। गजाधर बाबू रिक्शे पर बैठ गए और उनका बिस्तर और असबाब लाद दिया गया।

---

11. कहानी के अंत में गजाधर बाबू की चारपाई कहाँ से निकाल दी गई? अतिरिक्त

(क) बैठक से

(ख) कोठरी से

(ग) घर से बाहर

(घ) रसोई से

उत्तर: घर से बाहर। उनके जाने पर गजाधर बाबू की चारपाई घर से बाहर निकाल दी गई।

---

12. गजाधर बाबू नौकरी के समय अधिकतर किन स्टेशनों पर रहे? अतिरिक्त

(क) बड़े स्टेशनों पर

(ख) छोटे स्टेशनों पर

(ग) शहर के स्टेशनों पर

(घ) जंक्शन स्टेशनों पर

उत्तर: छोटे स्टेशनों पर। नौकरी के कारण वे अधिकतर छोटे स्टेशनों पर अकेले रहे थे।

समूह B: अति लघु उत्तरीय प्रश्न (VSA), 10 प्रश्न

उत्तर एक या दो पंक्तियों में लिखिए।

1. 'वापसी' शब्द का अर्थ क्या है? अतिरिक्त

उत्तर: लौटकर आना, घर लौटना।

2. गजाधर बाबू के परिवार में कौन कौन थे? अतिरिक्त

उत्तर: उनकी पत्नी, बड़े लड़के अमर, बेटा नरेंद्र, बेटी बसंती और बहू।

3. 'क्वार्टर' किसे कहते हैं? अतिरिक्त

उत्तर: सरकारी नौकरी में मिलने वाला मकान।

4. 'बैठक' किसे कहते हैं? अतिरिक्त

उत्तर: घर का वह कमरा जहाँ मेहमान बैठते हैं।

birlaeducation.org

5. नरेंद्र ने थाली सरकाकर क्या किया? अतिरिक्त

उत्तर: वह उठ खड़ा हुआ और गजाधर बाबू को कोसने लगा।

6. बसंती काफी अँधेरा होने के बाद भी कहाँ रही? अतिरिक्त

उत्तर: पड़ोस में रही।

7. गजाधर बाबू ने नरेंद्र को रुपये देते समय उससे क्या नहीं पूछा? अतिरिक्त

उत्तर: उन्होंने रुपये माँगने का कारण नहीं पूछा।

8. गजाधर बाबू के कितने बच्चे थे? नाम लिखिए। अतिरिक्त

उत्तर: तीन बच्चे थे, अमर, नरेंद्र और बसंती।

9. 'उपेक्षा' शब्द का अर्थ लिखिए। अतिरिक्त

उत्तर: अनदेखी करना, महत्व न देना।

10. 'असबाब' शब्द का अर्थ लिखिए। अतिरिक्त

उत्तर: सामान, घर का सामान।

समूह C: लघु उत्तरीय प्रश्न (SA), 10 प्रश्न

उत्तर 3 से 5 पंक्तियों में लिखिए।

1. घर पहुँचने पर बहू ने क्या किया और इससे क्या पता चलता है? अतिरिक्त

उत्तर: पिता को देखते ही बहू ने झट से माथा ढक लिया। इससे पता चलता है कि बहू गजाधर बाबू के सामने सहज नहीं थी, घर में उनके प्रति औपचारिक दूरी और संकोच था। यही दूरी आगे चलकर उपेक्षा में बदल गई।

---

2. गजाधर बाबू को क्यों लगने लगा कि परिवार की सभी परेशानियों के वे ही जिम्मेदार हैं? अतिरिक्त

उत्तर: घर में हर छोटी बात पर उन्हें ही दोषी ठहराया जाता था। खर्च की सलाह पर पत्नी नाराज़ होती थी, नरेंद्र अपनी खीज उन पर उतारता था और बसंती उनसे रुष्ट रहती थी। इस रोज के व्यवहार से उन्हें लगने लगा कि परिवार की सभी परेशानियों के वे ही जिम्मेदार हैं।

---

3. खर्च कम करने की सलाह पर पत्नी ने कैसी प्रतिक्रिया दी? अतिरिक्त

उत्तर: पत्नी को गजाधर बाबू की बात अच्छी नहीं लगती थी। उन्हें पत्नी से सहानुभूति नहीं मिलती थी। पत्नी का यह व्यवहार गजाधर बाबू के दुख को और बढ़ा देता था।

---

4. बहू के चौका खुला छोड़ने से क्या हुआ? इससे गजाधर बाबू को क्या महसूस हुआ? अतिरिक्त

pinaeducation.org

उत्तर: बहू ने चौका खुला छोड़ दिया, जिससे बिल्ली ने दाल गिरा दी। यह छोटी सी घटना भी गजाधर बाबू को परिवार की लापरवाही और उपेक्षा का एक और उदाहरण लगी।

---

5. अमर के अलग होने के विचार से गजाधर बाबू को क्या समझ में आया? अतिरिक्त

उत्तर: अमर इसलिए अलग होना चाहता था, क्योंकि गजाधर बाबू के आने के बाद उसके दोस्तों की महफिल नहीं जम पाती थी। इससे गजाधर बाबू समझ गए कि उनकी उपस्थिति बच्चों को बोझ लगने लगी है और घर में उनका स्थान घटता जा रहा है।

---

6. गजाधर बाबू को अपने रेलवे क्वार्टर की कौन कौन सी बातें याद आईं? अतिरिक्त

उत्तर: उन्हें अपना बड़ा सा खुला हुआ क्वार्टर याद आया। वहाँ का निश्चित जीवन, पैसेंजर ट्रेनों के आने पर स्टेशन की चहल पहल और इंजनों की आवाज सब याद आ गई। वह जीवन उन्हें अब खोई हुई निधि सा प्रतीत हुआ।

---

7. गजाधर बाबू के रिक्शे पर बैठकर जाने का दृश्य कहानी के किस भाव को दर्शाता है? अतिरिक्त

उत्तर: यह दृश्य गजाधर बाबू की निराशा और अकेलेपन को दर्शाता है। वे पारिवारिक सुख की कल्पना करके घर लौटे थे, पर उपेक्षा पाकर टूटे हुए मन से फिर नौकरी के लिए चले गए। उनका जाना घर से एक बूढ़े व्यक्ति के विदा होने का दुखद चित्र है।

---

8. उषा प्रियंवदा की कहानियों की मुख्य विशेषता क्या है? अतिरिक्त

उत्तर: उनकी कहानियों में आधुनिक परिवारों में बदलते मानवीय संबंधों, अकेलेपन और पीढ़ी अंतर का गहरा चित्रण मिलता है। वे रोज के जीवन की छोटी छोटी घटनाओं से गहरी मानवीय संवेदना उभारती हैं।

---

9. 'वापसी' कहानी का अंत सुखद है या दुखद? कारण सहित बताइए। अतिरिक्त

उत्तर: कहानी का अंत दुखद है। गजाधर बाबू निराश होकर रिक्शे पर बैठकर चीनी की मिल की नौकरी के लिए चले जाते हैं, पत्नी साथ नहीं जाती और परिवार के लोग उनके जाने पर प्रसन्न होते हैं। सुख की कल्पना करके लौटा व्यक्ति अकेला ही विदा होता है।

---

10. गजाधर बाबू ने अपने परिवार के लिए जीवन भर क्या क्या किया? अतिरिक्त

उत्तर: उन्होंने पैंतीस वर्षों तक रेलवे में नौकरी करके परिवार के लिए धन कमाया। बच्चों की पढ़ाई में बाधा न हो, इसलिए पत्नी और बच्चों को शहर में रखा। शहर में बड़ा मकान बनवाया और बड़े लड़के अमर की शादी की।

समूह D: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (LAQ), 8 प्रश्न

उत्तर विस्तार से लिखिए।

1. गजाधर बाबू के मन की बदलती अवस्थाओं का वर्णन कीजिए। अतिरिक्त

उत्तर: रिटायर होकर घर लौटते समय गजाधर बाबू बहुत खुश थे, क्योंकि पैंतीस साल की नौकरी के बाद वे परिवार के साथ सुख से रहने की कल्पना कर रहे थे। घर पहुँचते ही बच्चों के व्यवहार से वे दुखी हुए, नरेंद्र चुप हो गया, बहू ने माथा ढक लिया और बसंती ने हँसी दबा ली। कुछ दिन बीतते ही उन्हें अपना घर बोझ सा प्रतीत होने लगा और उन्हें लगने लगा कि परिवार में उनकी कोई उपयोगिता नहीं है। जब उनकी चारपाई बैठक से हटाकर छोटी कोठरी में रख दी गई, तो उन्हें अपना रेलवे क्वार्टर याद आने लगा और उन्होंने निश्चय कर लिया कि अब वे घर के किसी काम में दखल नहीं देंगे। अंत में वे निराश होकर चीनी की मिल की नौकरी के लिए घर छोड़कर चले गए। इस तरह उनका मन खुशी से दुख, दुख से चुप्पी और चुप्पी से निराशा की ओर बढ़ता गया।

---

2. 'वापसी' कहानी में नरेंद्र के चरित्र का वर्णन कीजिए। अतिरिक्त

उत्तर: नरेंद्र गजाधर बाबू का छोटा बेटा है और ऊँची कक्षा में पढ़ रहा है। पिता को देखते ही वह चुपचाप बैठ जाता है, जैसे उनका आना उसे अच्छा न लगा हो। वह बेस्वाद खाना देखकर थाली सरकाकर उठ खड़ा होता है और अपनी खीज गजाधर बाबू पर उतारने लगता है। जब गजाधर बाबू घर के नौकर को काम से हटा देते हैं, तो नरेंद्र आग बबूला हो जाता है। वह बिना कारण बताए पिता से रुपये माँगता है और पिता बिना पूछे ही उसे रुपये दे देते हैं। नरेंद्र का चरित्र नई पीढ़ी के उस युवक का है, जो अपने सुख और स्वतंत्रता को महत्व देता है और पिता की भावनाओं को नहीं समझता।

---

3. 'वापसी' कहानी में बसंती के चरित्र का वर्णन कीजिए। अतिरिक्त

उत्तर: बसंती गजाधर बाबू की बेटी है और ऊँची कक्षा में पढ़ रही है। पिता के आते ही वह अपनी हँसी दबाने की कोशिश करती है। पिता के कहने पर वह रात का भोजन बनाती है, पर वह इतना बेस्वाद होता है कि एक कौर भी नहीं निगला जा सकता। शीला के घर न जाने की मनाही पर वह पिता से रुष्ट हो जाती है और उनके सामने जाने से कतराने लगती है। वह काफी अँधेरा हो जाने के बाद भी पड़ोस में रहती है। बसंती का व्यवहार दिखाता है कि बेटी भी पिता के प्रति दूरी और उपेक्षा का भाव रखती है, जो गजाधर बाबू की आत्मा को दुखी कर देता है।

---

birlaeducation.org

4. 'वापसी' कहानी में अमर के चरित्र का वर्णन कीजिए। अतिरिक्त

उत्तर: अमर गजाधर बाबू का बड़ा लड़का है और उसकी शादी हो चुकी है। पिता के रिटायर होकर घर लौटने के बाद वह अलग होने का सोचने लगता है, क्योंकि उसके दोस्तों की महफिल नहीं जम पाती थी। पिता की उपस्थिति उसे अपने दोस्तों के साथ बैठने में बाधा लगती थी। अमर का चरित्र उस नई पीढ़ी का है, जो अपने सुख और स्वतंत्रता को परिवार के बड़ों की भावनाओं से अधिक महत्व देती है। उसके अलग होने के विचार से गजाधर बाबू को सबसे गहरी ठेस पहुँचती है, क्योंकि उन्होंने ही उसकी शादी की थी और उसके सुख की कल्पना की थी।

---

5. गजाधर बाबू और गणेशी के संबंध पर प्रकाश डालिए। अतिरिक्त

उत्तर: गणेशी गजाधर बाबू का नौकर था, पर उनके बीच का संबंध नौकर और मालिक से बढ़कर स्नेह का था। वह गजाधर बाबू का बड़ा ख्याल रखता था। रिटायर होकर घर जाते समय उसने सारा सामान बाँध दिया और बेसन के लड्डू रख दिए, क्योंकि बाबू जी को वे पसंद थे। गणेशी के स्नेह और आदर के सामने परिवार की उपेक्षा और भी तीखी लगती है। यह संबंध दिखाता है कि पराए लोग भी कभी कभी अपनों से अधिक स्नेह देते हैं, और गजाधर बाबू को अपने घर में वह आदर नहीं मिला, जो उन्हें अपने नौकर से मिला था।

---

6. गजाधर बाबू का घर उनके लिए पराया क्यों हो गया? कहानी के आधार पर समझाइए। अतिरिक्त

उत्तर: गजाधर बाबू ने शहर में बड़ा मकान बनवाया था, पर रिटायर होकर लौटने पर वह घर उनके लिए पराया हो गया। घर छोटा था, इसलिए उनकी चारपाई बैठक में लगाई गई और बाद में उसे हटाकर छोटी कोठरी में रख दिया गया, जहाँ कोट टाँगने की भी जगह नहीं थी। खर्च की सलाह पर पत्नी नाराज़ होती थी, बहू और बेटी काम से जी चुराती थीं, नरेंद्र अपनी खीज उन पर उतारता था और अमर अलग होने का सोचता था। पत्नी ने भी चीनी की मिल जाने से मना कर दिया। इन सब बातों से गजाधर बाबू को लगने लगा कि परिवार में उनकी कोई उपयोगिता नहीं है और वे सिर्फ धन कमाने की मशीन समझे जाते हैं। इसलिए अपना ही घर उनके लिए पराया हो गया।

birlaeducation.org

---

7. 'वापसी' कहानी में छोटे छोटे प्रसंगों से बड़ी संवेदना कैसे उभरी है? उदाहरण सहित समझाइए। अतिरिक्त

उत्तर: उषा प्रियंवदा ने कहानी में रोज के जीवन की छोटी छोटी घटनाओं से गहरी मानवीय संवेदना उभारी है। चारपाई का बैठक से छोटी कोठरी और फिर घर से बाहर जाना गजाधर बाबू के घटते स्थान को दिखाता है। बहू का चौका खुला छोड़ना और बिल्ली का दाल गिरा देना परिवार की लापरवाही को दिखाता है। बसंती का बेस्वाद खाना बनाना और नरेंद्र का थाली सरकाकर उठ खड़ा होना बच्चों की उपेक्षा को दिखाता है। बिना कारण पूछे रुपये देना गजाधर बाबू की टूटी हुई चुप्पी को दिखाता है। शीला के घर न जाने की मनाही पर बसंती का रुष्ट होना भी एक छोटा प्रसंग है, पर वह पिता और बेटी के बीच की दूरी को खोल देता है। ये सारे छोटे प्रसंग मिलकर बूढ़े व्यक्ति की उपेक्षा की बड़ी और मार्मिक कहानी बनाते हैं।

---

8. उषा प्रियंवदा के साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डालिए। अतिरिक्त

उत्तर: उषा प्रियंवदा का जन्म सन् 1930 में कानपुर में हुआ था। वे हिंदी की प्रसिद्ध कथाकार हैं। उनकी प्रमुख रचनाएँ पचपन खंभे लाल दीवारें और रुकोगी नहीं राधिका हैं। उनकी कहानी वापसी सन् 1960 में प्रकाशित हुई थी और यह उनकी सबसे चर्चित कहानियों में से एक है। उनकी कहानियों में आधुनिक परिवारों में बदलते मानवीय संबंधों, अकेलेपन और पीढ़ी अंतर का गहरा चित्रण मिलता है। उनकी भाषा सरल, सहज और भावपूर्ण है और वे रोज के जीवन की छोटी छोटी घटनाओं से गहरी मानवीय संवेदना उभारती हैं। इसलिए हिंदी कथा साहित्य में उनका महत्वपूर्ण स्थान है।
